राम की राम ही जाने

सूरज चंदा तारे उसके धरती आसमान,
दिन भी उसका रात भी उसकी उसकी सुबह और शाम,
राम की राम ही जाने राम....

संत जानो की रक्षा हेतु धनुष राम ने धरा,
दुष्टों का संहार किया भक्तों को पार उतारा,
पहले था ना आगे होगा जैसे राजा राम,
दिन भी उसका रात भी उसकी उसकी सुबह और शाम,
राम की राम ही जाने राम.....

आदर और सत्कार बड़ों का मात पिता की पूजा,
प्राण जाए पर वचन ना जाए नहीं उदाहरण दूजा,
नहीं भाई कोई लक्ष्मण जैसा यति सटी बलवान,
दिन भी उसका रात भी उसकी उसकी सुबह और शाम,
राम की राम ही जाने राम......

मर्यादा पुरुषोत्तम की है लीला अजब न्यारी,
चरणों ठोकर से प्रभु की शिला हो गयी नारी,
राम कथा से ही मिल जाये सबको मुक्ति धाम,
दिन भी उसका रात भी उसकी उसकी सुबह और शाम,
राम की राम ही जाने राम......

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29380/title/ram-ki-ram-hee-jane

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |